

कक्षा 6 - हिंदी (मल्हार)

पाठ 10 : परीक्षा (प्रेमचंद)

दस्तावेज़ 4 : पाठ के अंत के प्रश्न (पाठ से) और उत्तर-कुंजी

नाम : _____

दिनांक : _____

कक्षा : 6

भाग - 1 : पाठ के अंत के प्रश्न

1. मेरी समझ से

(क) आपकी समझ से नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? सही उत्तर चुनिए -

(1) महाराज ने दीवान को ही उनका उत्तराधिकारी चुनने का कार्य उनके किस गुण के कारण सौंपा?

(अ) सादगी (ब) उदारता (स) बल (द) नीतिकुशलता

(2) दीवान साहब द्वारा नौकरी छोड़ने के निश्चय का क्या कारण था?

(अ) परमात्मा की याद (ब) राज-काज सँभालने योग्य शक्ति न रहना (स) बदनामी का भय (द) चालीस वर्ष की नौकरी पूरा हो जाना

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

2. शीर्षक

(क) आपने जो कहानी पढ़ी है, इसका नाम प्रेमचंद ने 'परीक्षा' रखा है। अपने समूह में चर्चा करके लिखिए कि उन्होंने इस कहानी का यह नाम क्यों दिया होगा? अपने उत्तर के कारण भी लिखिए।

(ख) यदि आपको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा, यह भी बताइए?

3. पंक्तियों पर चर्चा

कहानी में से चुनकर यहाँ कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

“इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी, जिसके हृदय में दया हो और साथ-साथ आत्मबल। हृदय वह जो उदार हो, आत्मबल वह जो आपत्ति का वीरता के साथ सामना

करे। ऐसे गुण वाले संसार में कम हैं और जो हैं, वे कीर्ति और मान के शिखर पर बैठे हुए हैं।”

4. सोच-विचार के लिए

कहानी को एक बार फिर से पढ़िए, निम्नलिखित के बारे में पता लगाइए और लिखिए -

(क) नौकरी की चाह में आए लोगों ने नौकरी पाने के लिए कौन-कौन से प्रयत्न किए?

(ख) “उसे किसान की सूरत देखते ही सब बातें ज्ञात हो गईं।” खिलाड़ी को कौन-कौन सी बातें पता चल गईं?

(ग) “मगर उन आँखों में सत्कार था, इन आँखों में ईर्ष्या।” किनकी आँखों में सत्कार था और किनकी आँखों में ईर्ष्या थी? क्यों?

5. खोजबीन

कहानी में से वे वाक्य खोजकर लिखिए जिनसे पता चलता है कि -

(क) शायद युवक बूढ़े किसान की असलियत पहचान गया था।

(ख) नौकरी के लिए आए लोग किसी तरह बस नौकरी पा लेना चाहते थे।

6. कहानी की रचना

“लोग पसीने से तर हो गए। खून की गरमी आँख और चेहरे से झलक रही थी।” इन वाक्यों को पढ़कर आँखों के सामने थकान से चूर खिलाड़ियों का चित्र दिखाई देने लगता है। यह चित्रात्मक भाषा है। ध्यान देंगे तो इस पाठ में ऐसी और भी अनेक विशेष बातें आपको दिखाई देंगी।

कहानी को एक बार ध्यान से पढ़िए। आपको इस कहानी में और कौन-कौन सी विशेष बातें दिखाई दे रही हैं? अपने समूह में मिलकर उनकी सूची बनाइए।

7. समस्या और समाधान

इस कहानी में कुछ समस्याएँ हैं और उनके समाधान भी हैं। कहानी को एक बार फिर से पढ़कर बताइए कि -

(क) महाराज के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समाधान खोजा?

(ख) दीवान के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समाधान खोजा?

(ग) नौकरी के लिए आए लोगों के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समाधान खोजा?

8. मन के भाव

“स्वार्थ था, मद था, मगर उदारता और वात्सल्य का नाम भी न था।” इस वाक्य में कुछ शब्दों के नीचे रेखा खिंची हुई है। ये सभी नाम हैं, लेकिन दिखाई देने वाली वस्तुओं, व्यक्तियों या जगहों के नाम नहीं हैं। ये सभी शब्द मन के भावों के नाम हैं।

आप कहानी में से ऐसे ही अन्य नामों को खोजकर रिक्त स्थानों में लिखिए। (भावों के नाम)

9. अभिनय

कहानी में युवक और किसान की बातचीत संवादों के रूप में दी गई है। यह भी बताया गया है कि उन दोनों ने ये बातें कैसे बोलीं। अपने समूह के साथ मिलकर तैयारी कीजिए और कहानी के इस भाग को कक्षा में अभिनय के द्वारा प्रस्तुत कीजिए। प्रत्येक समूह से अभिनेता या अभिनेत्री कक्षा में सामने आएँगे और एक-एक संवाद अभिनय के साथ बोलकर दिखाएँगे।

युवक और किसान के संवादों का अभिनय कीजिए।

10. विपरीतार्थक शब्द

“विद्या का कम, परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा।” ‘कम’ का विपरीत अर्थ देने वाला शब्द है ‘अधिक’। कुछ विपरीतार्थक शब्द स्तंभ 1 और स्तंभ 2 में दिए गए हैं, लेकिन वे आमने-सामने नहीं हैं। रेखाएँ खींचकर विपरीतार्थक शब्दों के सही जोड़े बनाइए -

स्तंभ 1: 1. आना 2. गुण 3. आदर 4. स्वस्थ 5. कम 6. दयालु 7. योग्य 8. हार 9. आशा

स्तंभ 2: 1. निर्दयी 2. निराशा 3. जीत 4. अवगुण 5. अस्वस्थ 6. अधिक 7. जाना 8. अयोग्य 9. अनादर

विपरीतार्थक शब्दों के सही जोड़े बनाइए।

11. कहावत

“गहरे पानी में पैठने से ही मोती मिलता है।” यह वाक्य एक कहावत है। इसका अर्थ है कि कोशिश करने पर ही सफलता मिलती है। ऐसी ही एक और कहावत है, “जिन खोजा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ” अर्थात् परिश्रम का फल अवश्य मिलता है। नीचे कुछ कहावतें और उनके भावार्थ दिए गए हैं -

- अधजल गगरी छलकत जाए - जिसके पास थोड़ा ज्ञान होता है, वह उसका दिखावा करता है।

- अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत - समय निकल जाने के बाद पछताना व्यर्थ होता है।
- एक अनार सौ बीमार - कोई ऐसी एक चीज़ जिसको चाहने वाले अनेक हों।
- जो गरजते हैं वे बरसते नहीं हैं - जो अधिक बढ़-चढ़कर बोलते हैं, वे काम नहीं करते हैं।
- जहाँ चाह, वहाँ राह - जब किसी काम को करने की इच्छा होती है, तो उसका साधन भी मिल जाता है।

आप इन कहावतों को कहानी से जोड़कर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

12. पाठ से आगे - अनुमान या कल्पना से

(क) “दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला।” देश के प्रसिद्ध पत्रों में नौकरी का विज्ञापन किसने निकलवाया होगा? आपको ऐसा क्यों लगता है?

(ख) “इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया।” विज्ञापन ने पूरे देश में तहलका क्यों मचा दिया होगा?

13. विज्ञापन

“दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है।”

(क) कहानी में इस विज्ञापन की सामग्री को पढ़िए। इसके बाद अपने समूह में मिलकर इस विज्ञापन को अपनी कल्पना का उपयोग करते हुए बनाइए। (संकेत— चौकोर कागज़ पर हाशिया बनाइए। हाशिए के भीतर सुंदर लिखाई, चित्रों, रंगों आदि की सहायता से सभी आवश्यक जानकारी लिख दीजिए। आप बिना रंगों या चित्रों के भी विज्ञापन बना सकते हैं।)

(ख) आपने भी अपने आस-पास दीवारों पर, समाचार-पत्रों में या पत्रिकाओं में, मोबाइल फोन या दूरदर्शन पर अनेक विज्ञापन देखे होंगे। अपने किसी मनपसंद विज्ञापन को याद कीजिए। आपको वह अच्छा क्यों लगता है? सोचकर अपने समूह में बताइए। अपने समूह के बिंदुओं को लिख लीजिए।

(ग) विज्ञापनों से लाभ होते हैं, हानि होती है, या दोनों? अपने समूह में चर्चा कीजिए और चर्चा के बिंदु लिखकर कक्षा में साझा कीजिए।

14. आगे की कहानी

‘परीक्षा’ कहानी जहाँ समाप्त होती है, उसके आगे क्या हुआ होगा। आगे की कहानी अपनी कल्पना से बनाइए।

15. आपकी बात

(क) यदि कहानी में दीवान साहब के स्थान पर आप होते तो योग्य व्यक्ति को कैसे चुनते?

(ख) यदि आपको कक्षा का मॉनिटर चुनने के लिए कहा जाए तो आप उसे कैसे चुनेंगे? उसमें किन-किन गुणों को देखेंगे? गुणों की परख के लिए क्या-क्या करेंगे?

16. नया-पुराना

“कोई नए फैशन का प्रेमी, कोई पुरानी सादगी पर मिटा हुआ।” हमारे आस-पास अनेक वस्तुएँ ऐसी हैं जिन्हें लोग नया फैशन या पुराना चलन कहकर दो भागों में बाँट देते हैं। जो वस्तु आपके माता-पिता या दादा-दादी के लिए नई हो, हो सकता है वह आपके लिए पुरानी हो, या जो उनके लिए पुरानी हो, वह आपके लिए नई हो।

अपने परिवार या परिजनों से चर्चा करके तालिका को पूरा कीजिए - (मेरे लिए नई वस्तुएँ | मेरे लिए पुरानी वस्तुएँ | परिवार के बड़ों के लिए नई वस्तुएँ | परिवार के बड़ों के लिए पुरानी वस्तुएँ)

17. वाद-विवाद

“आपस में हॉकी का खेल हो जाए। यह भी तो आखिर एक विद्या है।” क्या हॉकी जैसा खेल भी विद्या है? इस विषय पर कक्षा में एक वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन कीजिए।

सुझाव - (1) कक्षा में पहले कुछ समूह बनाएँ। फिर पर्ची निकालकर निर्धारित कर लीजिए कि कौन समूह पक्ष में बोलेंगे, कौन विपक्ष में। (2) आधे समूह इसके पक्ष में तर्क दीजिए, आधे समूह विपक्ष में। (3) सभी समूहों को बोलने के लिए 5-5 मिनट का समय दिया जाएगा। (4) प्रत्येक समूह का प्रत्येक सदस्य चर्चा करने, तर्क देने आदि कार्यों में भाग अवश्य लें।

विषय: क्या हॉकी जैसा खेल भी विद्या है? पक्ष और विपक्ष में तर्क लिखिए।

18. अच्छाई और दिखावा

“हर एक मनुष्य अपने जीवन को अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप में दिखाने की कोशिश करता था।” अपने समूह में निम्नलिखित पर चर्चा कीजिए और चर्चा के बिंदु अपनी लेखन-पुस्तिका में लिख लीजिए -

(क) हर व्यक्ति अपनी बुद्धि के अनुसार स्वयं को अच्छा दिखाने की कोशिश करता है। स्वयं को अच्छा दिखाने के लिए लोग क्या-क्या करते हैं? (संकेत— मेहनत करना, कसरत करना, साफ-सुथरे रहना आदि)

(ख) क्या ‘स्वयं को अच्छा दिखाने’ में और ‘स्वयं के अच्छा होने’ में कोई अंतर है? कैसे?

19. परिधान तरह-तरह के

“कोट उतार डाला।” ‘कोट’ एक परिधान का नाम है। कुछ अन्य परिधानों के नाम और चित्र दिए गए हैं - दुपट्टा, गमछा, लहंगा, फिरन, धोती, अचकन, पगड़ी।

परिधानों के नामों को इनके सही चित्र के साथ मिलाइए। इन्हें आपके घर में क्या कहते हैं? लिखिए।

20. आपकी परीक्षाएँ

हम सभी अपने जीवन में अनेक प्रकार की परीक्षाएँ लेते और देते हैं।

आप अपने अनुभवों के आधार पर कुछ परीक्षाओं के उदाहरण बताइए। यह भी बताइए कि किसने, कब, कैसे और क्यों वह परीक्षा ली। (संकेत— जैसे, किसी को विश्वास दिलाने के लिए उसके सामने साइकिल चलाकर दिखाना, स्कूल या घर पर कोई परीक्षा देना, किसी को किसी काम की चुनौती देना आदि।)

21. आज की पहली

आज आपकी एक रोचक परीक्षा है। यहाँ दिए गए चित्र एक जैसे हैं या भिन्न? इन चित्रों में कुछ अंतर हैं। देखते हैं आप कितने अंतर कितनी जल्दी खोज पाते हैं।

दोनों चित्रों में अंतर खोजिए।

22. झरोखे से और खोजबीन के लिए

पाठ में दिए गए क्यू.आर. कोड के माध्यम से आप एक और कहानी पढ़ेंगे। इस कहानी में भी कोई किसी की परीक्षा ले रहा है। यह कहानी हमारे देश के बहुत होनहार बालक और उसके गुरु चाणक्य के बारे में है। इसे हिंदी के प्रसिद्ध लेखक जयशंकर प्रसाद ने लिखा है। साथ ही, पुस्तक में दिए गए क्यू.आर. कोड की सहायता से आप प्रेमचंद के बारे में और

जान-समझ सकते हैं और उनकी अन्य कहानियाँ - ईदगाह, नादान दोस्त, दो बैलों की कथा - पढ़ सकते हैं।

क्यू.आर. कोड की सहायता से कहानी पढ़िए और बताइए कि उसमें कौन किसकी परीक्षा ले रहा है और कैसे।

cbseclassworksheets.com

भाग - 2 : उत्तर-कुंजी (Answer Key)

नोट: जहाँ चर्चा, अभिनय या रचनात्मक कार्य है, वहाँ नमूना/सुझावात्मक उत्तर दिए गए हैं। विद्यार्थी अपने शब्दों में भी लिख सकते हैं।

1. मेरी समझ से

(1) महाराज ने दीवान को ही उनका उत्तराधिकारी चुनने का कार...

सही उत्तर: (द) नीतिकुशलता।

कारण: पाठ में लिखा है कि राजा साहब अपने अनुभवशील और नीतिकुशल दीवान का बड़ा आदर करते थे। उन्हें विश्वास था कि नीतिकुशल दीवान ही योग्य उत्तराधिकारी को पहचान सकेंगे।

(2) दीवान साहब द्वारा नौकरी छोड़ने के निश्चय का क्या कारण...

सही उत्तर: (ब) राज-काज सँभालने योग्य शक्ति न रहना।

कारण: दीवान ने महाराज से कहा था कि उनकी अवस्था ढल गई है और अब राज-काज सँभालने की शक्ति नहीं रही। (परमात्मा की याद उनके निवेदन का आरंभ थी तथा बदनामी का डर उनकी चिंता थी, पर निश्चय का मुख्य कारण शक्ति का न रहना था।)

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ह...

चर्चा के बिंदु: (1) पाठ की उन पंक्तियों को खोजिए जिनके आधार पर आपने उत्तर चुना। (2) जो विकल्प आपने नहीं चुने, उन्हें क्यों छोड़ा - यह भी बताइए। (3) मित्रों के उत्तर सुनकर अपना उत्तर जाँचिए।

आदर्श उत्तर: मैंने (1) में 'नीतिकुशलता' इसलिए चुना क्योंकि कहानी में राजा दीवान को 'नीतिकुशल' कहते हैं। (2) में मैंने 'शक्ति न रहना' इसलिए चुना क्योंकि दीवान ने स्वयं यही कारण बताया था।

2. शीर्षक

(क) आपने जो कहानी पढ़ी है, इसका नाम प्रेमचंद ने 'परीक्षा'...

प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'परीक्षा' इसलिए रखा होगा क्योंकि -

1. सरदार सुजानसिंह ने नया दीवान चुनने के लिए एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन और आचार-विचार की परीक्षा ली।
2. उम्मीदवारों को पता नहीं था कि उनकी परीक्षा हो रही है। असली परीक्षा किसान की गाड़ी निकालने के समय हुई।
3. यह परीक्षा विद्या या डिग्री की नहीं, बल्कि दया, साहस और आत्मबल जैसे गुणों की थी।

4. कहानी का पूरा कथानक इसी परीक्षा के चारों ओर घूमता है, इसलिए यह नाम बिलकुल उपयुक्त है।

(ख) यदि आपको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम...

सुझावात्मक उत्तर: 'सच्चा दीवान' / 'दया और साहस' / 'किसान की गाड़ी' / 'गहरे पानी में मोती'।

उदाहरण: मैं इस कहानी को 'दया और साहस' नाम दूँगा/दूँगी, क्योंकि जानकीनाथ को दीवान इसलिए चुना गया कि उसने चोट लगने पर भी निस्वार्थ भाव से किसान की सहायता की। कहानी का मुख्य संदेश यही दोनों गुण हैं।

3. पंक्तियों पर चर्चा

“इस पद के लिए ऐसे पुरुष की आवश्यकता थी, जिसके हृदय में दय...

भावार्थ: दीवान के पद पर ऐसा व्यक्ति चाहिए जो दयालु और उदार हो तथा संकट आने पर घबराए नहीं, बल्कि साहस से उसका सामना करे।

'हृदय' का अर्थ है उदार मन, यानी दूसरों के दुख को समझकर सहायता करना।

'आत्मबल' का अर्थ है अपने भीतर की ताकत, जिससे मुश्किल में भी डटे रहें।

ऐसे गुणी लोग संसार में बहुत कम होते हैं और जो होते हैं, वे पहले से ही बहुत प्रसिद्ध और ऊँचे स्थान पर होते हैं, इसलिए उन तक पहुँचना कठिन है। इसीलिए सुजानसिंह ने सामान्य लोगों में से ही योग्य व्यक्ति की परीक्षा लेकर उसे खोजा।

4. सोच-विचार के लिए

(क) नौकरी की चाह में आए लोगों ने नौकरी पाने के लिए कौन-कौ...

1. सभी ने अपने रंग-बिरंगे और सुंदर वस्त्र पहने, जैसे एमामे, चोगे और कंटोप - ताकि वे अच्छे दिखें।

2. मिस्टर 'अ', जो नौ बजे तक सोते थे, बगीचे में सुबह टहलकर उषा का दर्शन करने लगे।

3. जो लोग नौकरों की नाक में दम किए रहते थे, वे 'आप' और 'जनाब' कहकर बात करने लगे।

4. मिस्टर 'ल' को किताबों से घृणा थी, पर वे बड़े-बड़े ग्रंथ पढ़ने में डूबे दिखने लगे।

5. सभी नम्रता और सदाचार का दिखावा करने लगे और हॉकी खेलकर अपनी विद्या (कौशल) दिखाई।

(ख) “उसे किसान की सूरत देखते ही सब बातें ज्ञात हो गईं।” ख...

खिलाड़ी (जानकीनाथ) को ये बातें पता चल गईं -

1. किसान बहुत देर से नाले में फँसा हुआ है।
2. गाड़ी में अनाज भरा है और बोझ बहुत अधिक है तथा बैल कमज़ोर हैं।
3. कीचड़ और ऊँची चढ़ाई के कारण गाड़ी ऊपर नहीं चढ़ पा रही।
4. किसान थका हुआ, निराश और परेशान है, उसे सहायता की ज़रूरत है, पर वह किसी से माँगने का साहस नहीं कर पा रहा।

(ग) “मगर उन आँखों में सत्कार था, इन आँखों में ईर्ष्या।” क...

सत्कार: रियासत के कर्मचारियों और रईसों की आँखों में। वे जानकीनाथ के गुणों का आदर कर रहे थे, क्योंकि उसे दयालु और साहसी होने के कारण दीवान चुना गया था।
ईर्ष्या: दीवानी के उम्मीदवारों की आँखों में। उन्होंने भी यह पद पाने की बहुत कोशिश की थी, पर पद दूसरे को मिल गया, इसलिए उन्हें जलन हुई।

5. खोजबीन

(क) शायद युवक बूढ़े किसान की असलियत पहचान गया था।

“युवक ने किसान की तरफ़ गौर से देखा। उसके मन में एक संदेह हुआ, क्या यह सुजानसिंह तो नहीं हैं? आवाज़ मिलती है, चेहरा-मोहरा भी वही।”

(ख) नौकरी के लिए आए लोग किसी तरह बस नौकरी पा लेना चाहते थे।

“लोग समझते थे कि एक महीने का झंझट है, किसी तरह काट लें, कहीं कार्य सिद्ध हो गया तो कौन पूछता है?”

6. कहानी की रचना

कहानी को एक बार ध्यान से पढ़िए। आपको इस कहानी में और कौन-...

कहानी की विशेष बातों की सूची -

1. चित्रात्मक भाषा: “गेंद किसी दफ़्तर के अप्रेंटिस की तरह ठोकरें खाने लगी”; “उम्मीदवारों का एक मेला-सा उतरता”; “लहर बढ़ती चली आती है”।
2. उपमा और रूपक: “लोहे की दीवार”; “नम्रता और सदाचार का देवता”; “मनुष्यों का बूढ़ा जौहरी”; “बगुलों में हंस”।
3. मुहावरे: नाक में दम करना, तहलका मचाना, दिन काटना पहाड़ होना, कलेजे धड़कना, नसीब जागना।
4. कहावत का प्रयोग: “गहरे पानी में पैठने से ही मोती मिलता है।”
5. कहानी पाँच भागों (1 से 5) में बँटी है, जिससे घटनाएँ क्रम से समझ आती हैं।

6. संवादों से पात्रों का स्वभाव पता चलता है; व्यंग्य (जैसे दिखावा करने वाले उम्मीदवारों पर) भी है।

7. अंत में कहानी एक सीख देती है कि सच्चे गुण दिखावे से नहीं, कर्म से पहचाने जाते हैं।

7. समस्या और समाधान

(क) महाराज के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समा...

समस्या: उनके बूढ़े और अनुभवी दीवान सेवा-मुक्त होना चाहते थे, इसलिए रियासत के लिए नया योग्य दीवान चाहिए था।

समाधान: महाराज ने दीवान की प्रार्थना स्वीकार कर ली, पर यह शर्त रखी कि नया दीवान वे स्वयं ही खोजेंगे।

(ख) दीवान के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने इसका क्या समा...

समस्या: बुढ़ापे के कारण वे राज-काज सँभाल नहीं पा रहे थे और उन्हें डर था कि कोई भूल हो गई तो जीवन भर की नेकनामी मिट्टी में मिल जाएगी। साथ ही, उन्हें अपने जैसा योग्य उत्तराधिकारी खोजना था।

समाधान: उन्होंने महाराज से विनय करके पद छोड़ने की अनुमति ली, अखबारों में विज्ञापन निकलवाया, एक महीने तक उम्मीदवारों को परखा और किसान का वेश बनाकर उनके दया और साहस की परीक्षा ली।

(ग) नौकरी के लिए आए लोगों के सामने क्या समस्या थी? उन्होंने...

समस्या: उन्हें एक महीने तक यह सिद्ध करना था कि वे दीवान के पद के योग्य हैं, जबकि असली परीक्षा की जानकारी उन्हें नहीं थी।

समाधान: उन्होंने अपने असली स्वभाव को छिपाकर नम्र, सदाचारी और विद्वान होने का दिखावा किया। वे सोचते थे कि एक महीने किसी तरह काम चला लें, पद मिल गया तो फिर कौन पूछेगा।

8. मन के भाव

आप कहानी में से ऐसे ही अन्य नामों को खोजकर रिक्त स्थानों ...

कहानी में से मन के भावों के नाम -

दया, साहस, आत्मबल, नम्रता, सदाचार, घृणा, ईर्ष्या, सहानुभूति, उत्साह, संदेह, आशा, निराशा, आदर, सादगी, हिम्मत, विनय, कर्तव्य, सत्कार, धर्म, संकल्प।

(पहले से दिए गए नाम: स्वार्थ, मद, उदारता, वात्सल्य)

9. अभिनय

युवक और किसान के संवादों का अभिनय कीजिए।

यह गतिविधि-आधारित प्रश्न है। तैयारी के सुझाव -

1. पात्र: युवक (जानकीनाथ) - दयालु, विनम्र, साहसी; किसान (सुजानसिंह) - थका, सहमा हुआ और बाद में गंभीर तथा मुस्कुराता हुआ।
2. किसान का संवाद “हुजूर, मैं आपसे कैसे कहूँ?” झिझकती आवाज़ में तथा “नारायण चाहेंगे तो दीवानी आपको ही मिलेगी” गंभीर भाव से बोलें।
3. युवक का संवाद “मैं तुम्हारी गाड़ी निकाल दूँ?” सहायता के भाव से और “अब मुझे कुछ इनाम देते हो?” हँसकर बोलें।
4. अंतिम संवाद “गहरे पानी में पैठने से ही मोती मिलता है” रहस्यमयी मुस्कान के साथ बोलें।
5. आवाज़ का उतार-चढ़ाव, चेहरे के भाव और हाव-भाव का ध्यान रखें।

10. विपरीतार्थक शब्द

विपरीतार्थक शब्दों के सही जोड़े बनाइए।

1. आना - 7. जाना
2. गुण - 4. अवगुण
3. आदर - 9. अनादर
4. स्वस्थ - 5. अस्वस्थ
5. कम - 6. अधिक
6. दयालु - 1. निर्दयी
7. योग्य - 8. अयोग्य
8. हार - 3. जीत
9. आशा - 2. निराशा

11. कहावत

आप इन कहावतों को कहानी से जोड़कर अपनी लेखन-पुस्तिका में ल...

1. अधजल गगरी छलकत जाए: कई उम्मीदवार थोड़ी-सी अच्छाई और विद्या का दिखावा करके स्वयं को योग्य सिद्ध करने में लगे थे।

2. अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत: जिन उम्मीदवारों ने किसान की मदद नहीं की, परिणाम आने पर उन्हें पछतावा हुआ होगा, पर तब अवसर निकल चुका था।
3. एक अनार सौ बीमार: विज्ञापन में पद एक ही था, पर उम्मीदवार सैकड़ों-हज़ारों आ गए। (पुस्तक में दिया गया संकेत)
4. जो गरजते हैं वे बरसते नहीं हैं: जो उम्मीदवार अपनी नम्रता और विद्या का बढ़-चढ़कर दिखावा कर रहे थे, उनमें से कोई भी गाड़ी निकालने आगे नहीं आया।
5. जहाँ चाह, वहाँ राह: जानकीनाथ में सहायता करने की सच्ची इच्छा थी, इसलिए चोट लगे होने पर भी उसने गाड़ी निकालने का रास्ता निकाल लिया।

12. पाठ से आगे - अनुमान या कल्पना से

(क) “दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निक...

यह विज्ञापन दीवान सरदार सुजानसिंह ने निकलवाया होगा।

कारण: (1) महाराज ने यह शर्त रखी थी कि नया दीवान दीवान साहब को ही खोजना होगा। (2) विज्ञापन में लिखा है कि इच्छुक लोग “वर्तमान सरकार सुजानसिंह की सेवा में उपस्थित हों।” (3) विज्ञापन अगले दिन ही निकला, जिससे पता चलता है कि दीवान ने शीघ्रता से यह काम किया।

(ख) “इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया।” विज्ञ...

1. दीवान जैसा ऊँचा पद बहुत सम्मान और धन देने वाला होता है।
2. विज्ञापन में डिग्री (ग्रेजुएट होने) की शर्त नहीं थी, इसलिए हर कोई आवेदन कर सकता था।
3. केवल स्वस्थ होना और अच्छे आचरण का होना ही ज़रूरी था, इसलिए लोगों ने इसे अपना भाग्य आजमाने का अच्छा अवसर समझा।
4. ऐसा विज्ञापन पहले कभी देखा-सुना नहीं गया था, इसलिए सब जगह चर्चा फैल गई।

13. विज्ञापन

(क) कहानी में इस विज्ञापन की सामग्री को पढ़िए। इसके बाद अ...

नमूना विज्ञापन:

आवश्यकता है - सुयोग्य दीवान की

रियासत देवगढ़ को एक योग्य दीवान की ज़रूरत है।

योग्यता: ग्रेजुएट होना अनिवार्य नहीं; स्वस्थ और हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक। विद्या से अधिक कर्तव्य और अच्छे आचरण पर ध्यान दिया जाएगा।

प्रक्रिया: उम्मीदवारों के रहन-सहन और आचार-विचार की एक माह तक देखभाल की जाएगी।

संपर्क: इच्छुक सज्जन वर्तमान दीवान सरदार सुजानसिंह की सेवा में उपस्थित हों।

ध्यान रखें: हाशिया बनाना, शीर्षक बड़े अक्षरों में लिखना, आवश्यक सूचनाएँ स्पष्ट और संक्षिप्त लिखना।

(ख) आपने भी अपने आस-पास दीवारों पर, समाचार-पत्रों में या ...

यह व्यक्तिगत उत्तर है। उदाहरण: मुझे दूध/बिस्कुट का विज्ञापन अच्छा लगता है, क्योंकि उसमें सुंदर गीत, मनोरंजक चित्र और छोटी-सी कहानी होती है।

अच्छे विज्ञापन के गुण: (1) संक्षिप्त और स्पष्ट संदेश, (2) आकर्षक चित्र और रंग, (3) मधुर संगीत या मजेदार संवाद, (4) सच्ची जानकारी, (5) याद रह जाने वाला नारा।

(ग) विज्ञापनों से लाभ होते हैं, हानि होती है, या दोनों? ...

उत्तर: दोनों।

लाभ: (1) नई वस्तुओं और सेवाओं की जानकारी मिलती है। (2) नौकरी, शिक्षा आदि के अवसरों का पता चलता है। (3) व्यापार बढ़ता है और लोगों को रोज़गार मिलता है।

हानि: (1) कई विज्ञापनों में बढ़ा-चढ़ाकर झूठी बातें कही जाती हैं। (2) बच्चे और बड़े अनावश्यक चीज़ें खरीदने लगते हैं। (3) कुछ विज्ञापन अस्वस्थ खान-पान को बढ़ावा देते हैं।

निष्कर्ष: विज्ञापन देखकर सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए।

14. आगे की कहानी

‘परीक्षा’ कहानी जहाँ समाप्त होती है, उसके आगे क्या हुआ हो...

नमूना उत्तर:

सुजानसिंह की बात सुनकर जानकीनाथ ने नम्रता से सिर झुकाया और कहा, “मैंने तो केवल अपना कर्तव्य निभाया था।” दरबार में सब लोग तालियाँ बजाने लगे। राजा साहब ने उसे दीवान की पगड़ी पहनाई। जानकीनाथ ने गरीब किसानों के लिए नाले पर पुल बनवाया और रियासत में न्याय और दया से शासन चलाया। उसकी ईमानदारी से लोग सुखी हुए। जो उम्मीदवार ईर्ष्या करते थे, उन्हें भी समझ आया कि दिखावे से नहीं, सच्चे गुणों से सम्मान मिलता है।

(विद्यार्थी अपनी कल्पना से अलग अंत भी लिख सकते हैं, पर कहानी की सीख से मेल होना चाहिए।)

15. आपकी बात

(क) यदि कहानी में दीवान साहब के स्थान पर आप होते तो योग्य...

मैं भी व्यक्ति के व्यवहार को बिना बताए देखता/देखती। (1) कठिन परिस्थिति या किसी की सहायता का अवसर बनाकर उसकी दया, साहस और ईमानदारी परखता/परखती। (2) केवल डिग्री या बातों के बजाय कार्यों को देखता/देखती। (3) उसके व्यवहार को अलग-अलग लोगों - छोटे-बड़े, अमीर-गरीब - के साथ देखता/देखती।

(ख) यदि आपको कक्षा का मॉनिटर चुनने के लिए कहा जाए तो आप उ...

देखे जाने वाले गुण: ईमानदारी, अनुशासन, दयालुता, ज़िम्मेदारी, सबके साथ समान व्यवहार, नेतृत्व की क्षमता।

परखने के तरीके: (1) कक्षा में उसके व्यवहार का कुछ दिनों तक निरीक्षण करना। (2) साथियों से उसके बारे में राय लेना। (3) किसी साथी की मदद के अवसर पर उसका व्यवहार देखना। (4) छोटी-छोटी ज़िम्मेदारियाँ देकर देखना कि वह उन्हें कैसे निभाता है।

16. नया-पुराना

अपने परिवार या परिजनों से चर्चा करके तालिका को पूरा कीजिए...

नमूना तालिका:

मेरे लिए नई वस्तुएँ: स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्ट वॉच, ऑनलाइन कक्षा।

मेरे लिए पुरानी वस्तुएँ: लैंडलाइन फोन, रेडियो, टेप रिकॉर्डर, अलार्म घड़ी।

परिवार के बड़ों के लिए नई वस्तुएँ: स्मार्टफोन, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप।

परिवार के बड़ों के लिए पुरानी वस्तुएँ: चारपाई, मिट्टी का चूल्हा, लालटेन, हाथ की चक्की, ग्रामोफोन।

(अपने परिवार से बातचीत करके अपनी तालिका बनाइए।)

17. वाद-विवाद

विषय: क्या हॉकी जैसा खेल भी विद्या है? पक्ष और विपक्ष में...

पक्ष के तर्क: (1) खेल में रणनीति, अभ्यास और कौशल सीखना पड़ता है, जैसे अन्य विद्याओं में। (2) खेल से अनुशासन, टीम भावना और धैर्य सीखने को मिलता है। (3) खेल स्वास्थ्य और मन को मजबूत बनाता है। (4) खिलाड़ी खेल को पेशे के रूप में भी अपना सकते हैं।

विपक्ष के तर्क: (1) विद्या का अर्थ पढ़ाई-लिखाई और ज्ञान से लिया जाता है, खेल केवल मनोरंजन है। (2) कहानी के समय खेल को बच्चों का खेल समझा जाता था। (3) खेल में शारीरिक बल अधिक है, ज्ञान कम।

निष्कर्ष: आज खेल को भी शिक्षा का अंग माना जाता है, अतः उसे विद्या मानना उचित है।

18. अच्छाई और दिखावा

(क) हर व्यक्ति अपनी बुद्धि के अनुसार स्वयं को अच्छा दिखाने...

लोग स्वयं को अच्छा दिखाने के लिए - मेहनत करते हैं, कसरत करते हैं, साफ़-सुथरे और सुंदर कपड़े पहनते हैं, मीठा बोलते हैं, अच्छे व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं, पढ़ाई-लिखाई में आगे रहने की कोशिश करते हैं और कभी-कभी झूठी बातें भी बनाते हैं।

(ख) क्या 'स्वयं को अच्छा दिखाने' में और 'स्वयं के अच्छा ह...'

हाँ, अंतर है।

स्वयं को अच्छा दिखाना: यह बाहरी होता है, कुछ समय के लिए होता है और दूसरों को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जैसे इस कहानी के उम्मीदवारों ने एक महीने के लिए अच्छा बनने का नाटक किया।

स्वयं अच्छा होना: यह भीतर के सच्चे गुणों से आता है और हर परिस्थिति में दिखाई देता है, चाहे कोई देख रहा हो या नहीं। जैसे जानकीनाथ ने बिना किसी लालच के किसान की सहायता की।

इसलिए सच्चे गुण ही असली पहचान होते हैं, दिखावा नहीं।

19. परिधान तरह-तरह के

परिधानों के नामों को इनके सही चित्र के साथ मिलाइए। इन्हें...

परिधान - विवरण - अन्य नाम

दुपट्टा - स्त्रियों द्वारा कंधे या सिर पर ओढ़ा जाने वाला लंबा कपड़ा - चुन्नी, ओढ़नी

गमछा - कंधे पर रखा जाने वाला या पसीना पोंछने का सूती कपड़ा - अंगोछा, तौलिया

लहंगा - स्त्रियों द्वारा कमर से नीचे पहना जाने वाला घेरदार वस्त्र - घाघरा

फिरन - कश्मीर में पहना जाने वाला लंबा, ढीला गरम वस्त्र - कश्मीरी चोगा

धोती - पुरुषों द्वारा कमर पर लपेटकर पहना जाने वाला बिना सिला कपड़ा - धोतर, पंचा

अचकन - पुरुषों का लंबा, बंद गले का कोट - शेरवानी

पगड़ी - सिर पर बाँधा जाने वाला कपड़ा - साफ़ा, पाग, पटका

(चित्र पुस्तक में देखकर सही मिलान कीजिए और अपने घर या क्षेत्र में प्रचलित नाम लिखिए।)

20. आपकी परीक्षाएँ

आप अपने अनुभवों के आधार पर कुछ परीक्षाओं के उदाहरण बताइए।...

नमूना उत्तर:

1. स्कूल की अर्धवार्षिक परीक्षा - शिक्षक ने सितंबर में, लिखित प्रश्न-पत्र के द्वारा यह जाँचने के लिए ली कि हमने कितना सीखा।
2. साइकिल की परीक्षा - पिताजी ने रविवार को मुझे साइकिल चलाने को कहा, ताकि उन्हें विश्वास हो कि मैं अकेले साइकिल चला सकता/सकती हूँ।
3. दौड़ की चुनौती - मेरे दोस्त ने खेल के मैदान में दौड़ की चुनौती दी, ताकि पता चले कि कौन अधिक तेज़ दौड़ता है।
(अपने जीवन का अनुभव लिखिए।)

21. आज की पहेली

दोनों चित्रों में अंतर खोजिए।

यह चित्र-आधारित गतिविधि है। पुस्तक के दोनों चित्रों को ध्यान से देखिए और रंग, आकार, संख्या तथा छूटी हुई चीज़ों की तुलना करके अंतर खोजिए। एक-एक अंतर पर गोला लगाते जाइए और अंत में उनकी गिनती लिखिए।

22. झरोखे से और खोजबीन के लिए

क्यू.आर. कोड की सहायता से कहानी पढ़िए और बताइए कि उसमें क...

संकेत: इस कहानी में गुरु चाणक्य अपने होनहार बालक शिष्य की परीक्षा लेते हैं।
(क्यू.आर. कोड से कहानी पढ़कर परीक्षा का तरीका और परिणाम अपने शब्दों में लिखिए।)

खोजबीन के लिए: प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपतराय था। वे 'कथा-सम्राट' कहलाते हैं (1880-1936)। ईदगाह, नादान दोस्त और दो बैलों की कथा उनकी प्रसिद्ध कहानियाँ हैं।